दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, गुरुवार 12 सितंबर 2024 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-06, अंक- 346

महत्वपूर्ण एवं खास

हरियाणा: आप ने 21 उम्मीदवारों की चौथी सूची की जारी, विनेश फोगाट के सामने कविता दलाल पर दांव

नई दिल्ली (आरएनएस)। आम आदमी पार्टी (आप) ने हरियाणा विधानसभा के लिए अपने 21 उम्मीदवारों की आज चौथी सूची जारी की। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव संदीप पाठक ने यहां हरियाणा विधानसभा के प्रत्याशियों की सूची जारी की जिसमें अंबाला छावनी से राज कौर गिल, यमुना नगर से ललित त्यागी, लडवा से जोगा सिंह, कैथल से सतवीर गोयत, करनाल से सुनील बिन्दल, पनीपत ग्रामीण से सुखबीर मलिक, गन्नौर से सरोज बाला राठी, सोनीपत से देवेंद्र गौतम, गोहाना से शिव कुमार रंगीला शामिल है। इसके अलावा बरौदा से संदीप मलिक, जुलाना से कविता दलाल, सफ़ीदों से निशा देशवाल, तोहाना से सुखविंदर सिंह गिल, क्लानवाली से जसदेव निक्का, सिरसा से शाम मेहता, उकलाना से नरेंद्र उकलाना, नारनौद से राजीव पाली, हमसे से रजिंदर सोखी, हिसार से संजय सतरोदिया, बादली से हैप्पी लोचब और गुडग़ाँव से निशांत आनंद को उम्मीदवार बनाया गया है। ग़ौरतलब है कि आप ने हरियाणा की 90 सीटों के लिए अभी तक 61 सीटों पर उम्मीदवार घोषित किए हैं।

कनाडा ने इजरायल के लिए 30 हथियार बिक्री परमिट निलंबित किए

ओटावा। कनाडा ने इजरायल को हथियार बिक्री के लिए लगभग 30 मौजूदा परमिट निलंबित कर दिए हैं। स्थानीय मीडिया ने कनाडा की विदेश मंत्री मेलानी जोली के हवाले से यह जानकारी दी। रिपोर्ट के अनुसार, विदेश मंत्री मेलानी जोली ने मंगलवार को कहा कि ओटावा की नीति के अनुसार कनाडा निर्मित हथियारों और उनके कलपुर्जों का उपयोग गाजा पट्टी में नहीं किया जा सकता है। चाहे हथियारों को इजरायल में किसी भी तरह भेजा जाए। जनवरी में ओटावा ने इजरायल के लिए नए हथियार परमिट को मंजूरी देना बंद कर दिया था, हालांकि पिछले महीनों में स्वीकृत परमिट अभी भी सक्रिय थे। विदेश मंत्री के हवाले से कहा गया है कि हम किसी भी प्रकार का हथियार या उसके पार्ट्स गाजा नहीं भेजेंगे। उन्हें कैसे और कहां भेजा जा रहा है, यह अप्रासंगिक है। रिपोर्टों के अनुसार, कनाडा अमेरिकी सरकार के साथ हुए उस अनुबंध को भी रोक रहा है जिसके तहत इजरायली रक्षा बलों को क्यूबेक में निर्मित गोला-बारूद भेजा जाना था, जिसकी घोषणा वाशिंगटन ने कुछ सप्ताह पहले की थी।

15 हजार भारतीयों को इजरायल में मिलेगा रोजगार, दो लाख होगा वेतन

इजरायल। करीब 15,000 भारतीयों को इजरायल में नौकरियां मिलेंगी। इन लोगों को वहां करीब दो लाख रुपये वेतन व अन्य सुविधाएं भी मिलेंगी। इजरायल ने अपने इन्फ्रास्ट्रक्चर और हेल्थ सेक्टर के लिए 10,000 निर्माण श्रमिकों और 5,000 देखभालकर्ताओं के लिए भारत से संपर्क किया है। पिछले साल भी इजरायल द्वारा इसी तरह का अनुरोध किया गया था। 'केंद्रीय कौशल विकास मंत्रालय' के अंतर्गत आने वाले 'राष्ट्रीय कौशल विकास निगम' (एनएसडीसी) के मुताबिक इजरायल में निर्माण श्रमिकों की भर्ती के पहले राउंड में 16,832 उम्मीदवारों ने कौशल टेस्ट दिया। इनमें से 10,349 को चुना गया। चुने गए उम्मीदवारों को 1.92 लाख प्रति माह वेतन और मेडिकल इंश्योरेंस, भोजन एवं आवास सुविधाएं मिल रही हैं। इन उम्मीदवारों को प्रति माह 16,515 रुपये का बोनस भी मिलेगा। एनएसडीसी का कहना है कि अब पॉपुलेशन, इमीग्रेशन एंड बॉर्डर अथॉरिटी (पीआईबीए) ने चार विशेष जॉब रोल्स- फ्रेमवर्क, आयरन बेंडिंग, प्लास्टरिंग और सेरेमिक टाइलिंग के लिए यह अनुरोध किया है। पीआईबीए की टीम आगामी सप्ताह में उम्मीदवारों के चुनाव के लिए भारत का दौरा करेगी। ऐसे उम्मीदवारों का चयन किया जाएगा, जो कौशल संबंधी मानकों एवं अन्य आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। निर्माण श्रमिकों के लिए भर्ती अभियान का यह दूसरा राउंड महाराष्ट्र में होगा। इसके अलावा इजरायल को अपनी हेल्थकेयर सेवाओं में सुधार लाने के लिए 5,000 देखभालकर्ताओं की आवश्यकता है। कम से कम दसवीं पास उम्मीदवार जिनके पास मान्यता प्राप्त भारतीय संस्थान की ओर से जारी सर्टिफिकेट हो, जिन्होंने केयरगिविंग कोर्स पूरा किया हो और कम से कम 990 घंटे का ऑन-द-जॉब प्रशिक्षण प्राप्त किया हो, वे इसके लिए आवेदन कर सकते हैं।

सेमीकंडक्टर सेक्टर में भारत का बड़ा दांव, पीएम नरेंद्र मोदी ने किया ऐलान

नई दिल्ली । आरएनएस

सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में भारत को पूरी तरीके से आत्मनिर्भर बनाने और अन्य देशों को यहां आकर अपनी फैक्ट्री खोलने और निवेश के लिए प्रेरित करने के लिए सेमीकॉन इंडिया का आयोजन किया गया। जिसमें पीएम नरेंद्र मोदी ने बड़ा ऐलान किया है। सेमीकॉन इंडिया 2024 को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि हमारा सपना है कि दुनिया के हर इलेक्ट्रॉनिक्स में भारत में बनी चिप लगी हो। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में सेमीकंडक्टर की मैन्यूफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए निवेश का आह्वान किया।

पीएम मोदी ने कहा कि अगर भारत को ग्लोबल सप्लाई चेन में जगह बनानी है, तो उसके लिए कॉम्पिटीटिव होना एक अहम शर्त है। पीएम मोदी ने कहा कि आज स्मार्टफोन से लेकर इलेक्ट्रिक वाहन और एआई तक हर चीज के लिए सेमीकंडक्टर आधार है। पीएम ने कहा कि कोविड-19 जैसीवैश्विव महामारी ने सेमीकंडक्टर और उसकी सप्लाई चेन की जरूरत को सबसे सामने लाया। इस दौरान दुनिया ने सप्लाई चेन का संकट देखा, जिससे आपूर्ति प्रभावित हुई। चीन ने कोविड के प्रसार को रोकने के लिए जो कदम उठाए, उससे दुनिया के उन देशों में उद्योग प्रभावित हुए जो सेमीकंडक्टर के लिए चीन से आयात पर निर्भर थे। इसलिए आने वाले समय में इससे जुड़े किसी भी व्यवधान को खत्म करने के लिए कदम उठाने की आवश्यकता पर गौर किया जाना चाहिए। आज सेमीकंडक्टर हर इलेक्ट्रॉनिक उपकरण का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

दुनिया के हर डिवाइस में हो भारत की चिप

इस मौके पर पीएम मोदी ने अपने एक सपने के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा,हमारा सपना है कि दुनिया के हर डिवाइस में भारत में बनी चिप हो। हम भारत को सेमीकंडक्टर सेक्टर में वर्ल्ड पावर बनाने के लिए हरसंभव कोशिश करेंगे। सेमीकंडक्टर मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए उन्होंने उनकी सरकार के कार्यकाल में उठाए गए कदमों की चर्चा की है। देश में चिप मैन्यूफैक्चरिंग के लिए थ्री-डी पावर की अवधारणा पर फोकस किया गया है, इसमें सुधारवादी सरकार की स्थिर नीतियां, मैन्युफैक्चरिंग का मजबूत आधार और एस्पिरेशनल मार्केट का टेक्नोलॉजी को अपनाना शामिल है। आज का भारत दुनिया में विश्वास जगाता है, जब मुश्किलें आती हैं, तो आप भारत पर भरोसा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि सेमीकंडक्टर सेक्टर में 1.5 लाख करोड़ रुपए से अधिक का निवेश पहले ही किया जा चुका है और कई प्रोजेक्ट पाइपलाइन में हैं।

सेमीकंडक्टर उद्योग को बढ़ावा देने के लिए देश में कई चुनौतियां पार करनी हैं। इनमें सप्लाई चेन, कच्चा माल और उपकरण, टेस्टिंग फैसिलिटी और स्किल्ड मैनपावर सबसे अहम है। ऐसे में इसकी क्षमता को बढ़ाकर कई गुना करने का प्लान है। ताकि आत्मनिर्भरता के साथ प्रदेश की इकोनॉमी का लक्ष्य 1 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच सके।

जम्मू-कश्मीर के कठुआ में सुरक्षा बलों व आतंकवादियों के बीच मुठभेड़, जैश-ए-मोहम्मद के दो टॉप कमांडर ढेर,ऑपरेशन जारी

कठुआ । आरएनएस

जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच भीषण मुठभेड़ हुई, जिसमें आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के दो टॉप कमांडर मार गिराए गए। यह मुठभेड़ बुधवार सुबह उस समय शुरू हुई जब सुरक्षाबलों को इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी। भारतीय सेना ने जानकारी देते हुए बताया की राइजिंग स्टार कॉर्प्स के जवानों द्वारा कठुआ के खंडरा में चल रहे ऑपरेशन में दो आतंकवादियों को मार गिराया गया। ऑपरेशन जारी है

सुरक्षाबलों ने क्षेत्र को घेर लिया और तलाशी अभियान शुरू किया, जिसके बाद आतंकियों ने उन पर गोलीबारी शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में दोनों आतंकियों को ढेर कर दिया गया। दोनों आतंकियों की पहचान जैश-ए-मोहम्मद के टॉप कमांडरों के रूप में की गई है, जो कई आतंकी गतिविधियों में शामिल थे।

फिलहाल इलाके में तलाशी अभियान अभी भी जारी है, क्योंकि सुरक्षा बलों को शक है कि कुछ और आतंकी इस क्षेत्र में छिपे हो सकते हैं। जम्मू-कश्मीर पुलिस और सेना का संयुक्त अभियान लगातार जारी है।

इस मुठभेड़ के बाद सुरक्षा बलों ने कठुआ और आसपास के इलाकों में सुरक्षा बढ़ा दी है, ताकि कोई भी आतंकवादी भागने में सफल न हो सके। जैश-ए-मोहम्मद के इन दो कमांडरों का मारा जाना सुरक्षा बलों के लिए एक बड़ी सफलता मानी जा रही है।

एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा के पिता ने छत से कूदकर किया सुसाइड

मुंबई । आरएनएस

बालीवुड से इस समय हैरान करने वाली खबर सामने आ रही है। जानकारी के अनुसार अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा के पिता अनिल अरोड़ा ने घर की छत से कूदकर आत्महत्या कर ली है।

इस खबर के सामने आने के बाद बालीवुड जगत में शोक की लहर छा गई है। वहीं इस खबर के सामने आने के बाद हर कोई हैरान है। लेकिन उनके सुसाइड करने की वजह अभी तक सामने नहीं आई है। जानकारी के अनुसार छत से कूदकर सुसाइड करने के बाद उन्हें नजदीक के अस्पताल ले जाया गया। जहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक रिपोर्ट्स के अनुसार, आत्महत्या का कारण व्यक्तिगत या मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित हो सकता है, लेकिन फिलहाल कोई निश्चित जानकारी उपलब्ध नहीं है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और अनिल अरोड़ा के परिवार की ओर से दिए गए बयान के आधार पर स्थिति स्पष्ट करने की कोशिश की जा रही है।

बॉलीवुड अभिनेता अरबाज़ ख़ान ने मलाइका अरोड़ा के पिता अनिल अरोड़ा के निधन के बाद उनके पहुंचकर शोक व्यक्त किया। अनिल अरोड़ा की आत्महत्या की खबर आज सुबह सामने आई थी, जिसने परिवार और उनके करीबियों को गहरा झटका दिया है। अरबाज़ ख़ान, जो मलाइका अरोड़ा के पूर्व पति हैं, ने इस मुश्किल समय में मलाइका और उनके परिवार के प्रति समर्थन और सांत्वना व्यक्त की। उन्होंने मलाइका की माँ के घर जाकर शोक संवेदना प्रकट की और परिवार को इस कठिन घड़ी में समर्थन देने की कोशिश की।

जम्मू-कश्मीर : अखनूर सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पाकिस्तान ने की फायरिंग, बीएसएफ का जवान घायल

जम्मू । आरएनएस

जम्मू के बाहरी इलाके अखनूर सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) पर पाकिस्तान की ओर से बिना उकसावे के की गई गोलीबारी में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) का एक जवान घायल हो गया। हालांकि, बीएसएफ जवानों ने गोलीबारी का प्रभावी रूप से जवाब दिया।

बीएसएफ के प्रवक्ता ने बुधवार सुबह यहां कहा कि लगभग 02.35 बजे, सीमा पार से अखनूर इलाके में बिना किसी कारण के गोलीबारी की गई। उन्होंने कहा कि बीएसएफ की ओर से गोलीबारी का माकूल जवाब दिया गया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी गोलीबारी में बीएसएफ का एक जवान घायल हो गया, जबकि जवान हाई अलर्ट पर हैं।

जम्मू-कश्मीर में 18 सितंबर से शुरू होने वाले विधानसभा चुनाव तीन चरण में होंगे और जम्मू जिले के अखनूर सेक्टर में मतदान 01 अक्टूबर को होगा। दूसरे चरण का चुनाव 25 सितंबर को होगा और मतगणना 08 अक्टूबर को होगी।

मोदी की रैली में बम विस्फोट करने वाले 4 आतंकियों को नहीं होगी फांसी, सजा उम्रकैद में बदली

पटना (आरएनएस)। पटना हाईकोर्ट से बड़ी खबर सामने आ रही है। खबर यह है कि 27 अक्टूबर 2013 को गांधी मैदान में नरेंद्र मोदी की हुंकार रैली में सीरियल ब्लास्ट करने वाले 4 आतंकियों की फांसी की सजा को पटना हाईकोर्ट ने उम्रकैद में बदल दिया है। इससे पहले पटना सिविल कोर्ट ने सभी 6 आरोपियों में से 4 को फांसी और 2 को उम्रकैद की सजा सजा सुनाई थी। हाईकोर्ट ने बाकी 2 दोषियों की उम्रकैद की सजा को बरकरार रखा है। गांधी मैदान में बम धमाके की ये घटना 27 अक्टूबर 2013 को हुई था।?गांधी मैदान में बीजेपी ने हुंकार रैली का आयोजन किया गया था।?वे रैली को संबोधित कर रहे थे। उसी समय पटना जंक्शन के प्लेटफार्म संख्या 10 स्थित सुलभ शौचालय के पास पहला बम ब्लास्ट हुआ था।?विस्फोटों में छह लोगों की मौत हुई थी और 89 लोग घायल हुए थे। आज कोर्ट ने बुधवार को दोषी इम्तियाज आलम, हैदर अली, नुमान अंसारी और मोजिबुल्ला अंसारी की फांसी की सजा में बदलाव कर दिया।

सिरफिरे ने चाय नहीं देने पर पत्नी का सर धड़ से किया अलग, दूधमुंहे बेटे और बेटी को भी उतारा मौत के घाट

पटना । आरएनएस

बिहार के भोजपुर जिले में एक शख्स ने बीवी और दो मासूम बच्चों को मार डाला। घटना के बाद गांव वालों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। आरोपी को गिरफ्तार करके जब पुलिस ने हत्या करने का कारण पूछा तो बोला- मैंने पत्नी से चाय मांगी थी। उसने चाय नहीं दी। मेरा मजाक उड़ाया। बस फिर मैंने उसे मार डाला। उसने पत्नी को मारने के बाद दो बच्चों को भी मौत के घाट उतार दिया।

अब पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। बताया जा रहा है कि आरोपी युवक मानसिक रूप से कमजोर है। दिल दहला देने वाली ये घटना अजीमाबाद थाना क्षेत्र के मिल्की गांव की है। मृतकों की शिनाख्त मिल्की गांव निवासी 35 वर्षीया पत्नी सीमा देवी, 8 वर्षीया सौम्या कुमारी एवं 10 माह के दुधमुंहे बच्चे दीदवंत कुमार के रूप में हुई है। इस वारदात को सीमा देवी के पति लालू यादव ने अंजाम दिया है। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी लालू यादव भागा नहीं, बल्कि घर के बाहर ही टहलता रहा।

आरोपी ने पुलिस को बताया कि मंगलवार को मैंने पत्नी से कहा कि मुझे चाय पीनी है। उसने चाय नहीं बनाई और मेरा मजाक उड़ाने लगी। मुझे गुस्सा आ गया। मैंने घर में रखी खंती उठाई, पहले सीमा को मार डाला। उसकी सिर धड़ से अलग कर दिया। फिर बेटी और बेटे को भी मार डाला और उनका भी गला काट दिया। पुलिस ने बताया कि घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी घर के बाहर घूम रहा था। गांव वालों ने फोन कर मामले की जानकारी दी। पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को गिरफ्तार किया। घर के अंदर तीनों मृतकों के शव खून से लथपथ हालत में पड़े थे। सीमा देवी का सिर धड़ से अलग था। बच्चों का गला कटा हुआ था। शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया। पुलिस ने कहा, आरोपी मानसिक रूप से कमजोर बताया जा रहा है। फिलहाल पुलिस मामले की हर एंगल से जांच कर रही है। हत्या में इस्तेमाल खंती को भी जांच के लिए भेजा गया है। परिवार के अन्य रिश्तेदारों और गांव वालों से भी पूछताछ की जा रही है।

जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव को लेकर पर्यवेक्षक ने की गंदेरबल में ईवीएम के दूसरे रैंडमाइजेशन की देखरेख

गंदेरबल । आरएनएस

जम्मू कश्मीर आगामी विधानसभा चुनाव-2024 की तैयारी के तहत गंदेरबल जिले के आम चुनाव पर्यवेक्षक आर. लक्ष्मणन ने आज डीसी कार्यालय के वी.सी. रूम में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) के दूसरे रैंडमाइजेशन की देखरेख की।

चुनाव प्रक्रिया में यह महत्वपूर्ण कदम जिले भर में विभिन्न मतदान स्थलों पर ईवीएम को रैंडम तरीके से आवंटित करके निष्पक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए बनाया गया है।

कार्यक्रम में बोलते हुए आम चुनाव पर्यवेक्षक ने चुनावी प्रक्रिया की अखंडता को बनाए रखने में रैंडमाइजेशन प्रक्रिया के महत्व पर प्रकाश डाला।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ईवीएम का पारदर्शी और निष्पक्ष आवंटन चुनावों की विश्वसनीयता को और मजबूत करेगा, जिससे जिले में एक सफल लोकतांत्रिक अभ्यास में योगदान मिलेगा।

रैंडमाइजेशन प्रक्रिया में गंदेरबल और कंगन विधानसभा क्षेत्रों के रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ), जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, साथ ही विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि शामिल हुए, जिन्होंने इस प्रक्रिया को प्रत्यक्ष रूप से देखा। उन्नत सॉफ्टवेयर का उपयोग करते हुए, रैंडमाइजेशन प्रक्रिया ने पूरी निष्पक्षता सुनिश्चित की, जिससे ईवीएम के आवंटन में पक्षपात की किसी भी संभावना को समाप्त किया जा सका। यह महत्वपूर्ण उपाय गंदेरबल में स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव कराने की तैयारियों का अभिन्न अंग है।

भारी बारिश के बीच कच्छ में रहस्यमयी बुखार का कहर जारी, मरने वालों की संख्या 15 हुई

कच्छ । आरएनएस

कच्छ जिले में भारी बारिश के कारण इस क्षेत्र में फैले रहस्यमयी बुखार ने और विकराल रूप ले लिया है। रिपोर्ट्स बताती हैं कि इस अज्ञात बीमारी के कारण लखपत तालुका में 15 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है। इस स्थिति ने गुजरात के अधिकारियों के बीच काफी चिंता पैदा कर दी है। मामले की जांच करने के लिए स्वास्थ्य अधिकारी और जिले के स्वास्थ्य आयुक्त मामलों पर निगरानी बनाए हुए हैं।

अज्ञात बीमारी के बारे में ज्यादा जानकारी जुटाने के साथ स्वास्थ्य स्थिति में सुधार लाने के लिए संदिग्ध मामलों के नमूने को टेस्ट के लिए पुणे भेजा गया है।

मामलों की बढ़ती संख्या को देखते हुए गुजरात के स्वास्थ्य मंत्री रुशिकेश पटेल स्थिति का आकलन करने के लिए लखपत गांव का दौरा करेंगे। इसके साथ ही वह स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे।

इस बैठक में उनके साथ शिक्षा राज्य मंत्री और कच्छ जिले के प्रभारी प्रफुल पनसेरिया भी होंगे। वे दोनों मिलकर लखपत और अब्दासा तालुका में संदिग्ध बुखार के मामलों की विस्तृत समीक्षा करेंगे।

मंत्री पनसेरिया ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा, बुखार के मामलों की बढ़ती संख्या एक गंभीर मुद्दा बन गई है। हम तत्काल एक्शन लेंगे। प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करते हुए लोगों की स्वास्थ्य स्थितियों का आकलन करेंगे।

स्वास्थ्य मंत्री ने मौजूदा स्थिति पर चर्चा करने और प्रकोप को नियंत्रित करने के लिए कच्छ जिला प्रशासन के साथ समीक्षा बैठक भी की। इस बुखार के लक्षण न्यूमोनाइटिस से मिलते जुलते हैं, फिर भी रैपिड रिस्पांस टीम मौतों का सही कारण जानने के लिए आगे की जांच कर रही है। पशुपालन विभाग ने किसी भी जूनोटिक बीमारी (जो जानवरों से मनुष्यों में फैलती है) की संभावना से इनकार किया है, हालांकि सभी मृतक जाट मालधारी जनजाति के थे, जो गुजरात के सूखे इलाकों में रहने वाले एक पशुपालक समुदाय हैं।

गुजरात सरकार ने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी (एनआईवी) से नमूनों की जांच विभिन्न प्रकार के रोगाणुओं के लिए करने का अनुरोध किया है, जिनमें क्रीमियन-कांगो हेमोरेजिक फीवर (सीसीएचएफ), स्क्रब टाइफस, चांदीपुरा वेसिकुलोवायरस (सीएचपीवी), जापानी इंसेफेलाइटिस और यहां तक कि प्लेग भी शामिल है। स्वास्थ्य विभाग ने संक्रामक रोग के प्रकोप की संभावना को खारिज कर दिया है क्योंकि एक साथ कई लोगों में संक्रमण के मामले नहीं पाए गए हैं।

स्वास्थ्य सर्वेक्षण में पहचाने गए 27 संपर्कों और लक्षण वाले व्यक्तियों में से, रैपिड रिस्पांस टीम को केवल दो मामले फाल्सीपेरम मलेरिया, दो मामले स्वाइन फ्लू और एक मामला डेंगू का मिला है।

गांव में फैली अजीब बीमारी, लाशों के लग रहे ढेर, सीएम से मांगी गई मदद

रांची (आरएनएस)। झारखंड के जामताड़ा जिले के नेंगराटांड गांव में फैली अज्ञात बीमारी से 22 दिनों के अंदर आदिम पहाडिया जनजाति के आठ लोगों की मौत हो गई है, जबकि अब भी गांव में 10 से ज्यादा लोग बीमार हैं। अस्पतालों में मरीजों को समय पर इलाज न मिलने से आदिवासी समुदाय के लोगों की मौत की कुछ अन्य घटनाएं सामने आई हैं। इन घटनाओं को लेकर झारखंड प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार पर निशाना साधा है। बाबूलाल मरांडी ने इस संबंध में सीएम हेमंत सोरेन को पत्र लिखकर इन घटनाओं की उच्चस्तरीय जांच कराने की भी मांग की है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, झारखंड में आदिवासी समाज के भाइयों-बहनों को इलाज न मिल पाने के कारण तड़प-तड़प कर मरते देखना असहनीय है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने आदिवासी समाज से मुंह फेर लिया है। जिस आदिवासी समाज ने अपना समर्थन देकर हेमंत को सत्ता तक पहुंचाया, आज वही हेमंत सोरेन राजनीतिक समीकरण के जोड़ तोड़ में आदिवासियों की बलि चढ़ा रहे हैं। उन्होंने सीएम को लिखे पत्र में हाल की घटनाओं का जिक्र किया है।